संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

एक देश, एक धड़कन

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 8 • अगस्त 2025

Volume 3 • Issue 8 • August, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

सत्य-सौंदर्य की माँग सौंदर्यमय प्रस्तुतिकरण की ही मांग है। डयुरर (1471 से 1528) का कहना है कि दिव्य सौंदर्य के अवशेषों की खोज करना बहुत कठिन है। फिर भी इसकी खोज करना अच्छे इन्सान का कर्तव्य है। किन्तु डयुरर यह भी कहते है कि सौंदर्य क्या है यह उन्हें मालूम नहीं। उन्हें यह नहीं मालूम कि सच्चे सौंदर्य के आधारभूत भाव कौन से हैं तथा उनका वर्णन कैसे करना? इस पृथ्वी पर ऐसा एक भी इन्सान नहीं है जिसे मानव का सच्चा रूप पूर्णतः ज्ञात है। शायद इसके लिये गणित यह विषय सहायक सिद्ध हो सकता है। इसके लिये हमने प्रयास करने चाहिये। डयुरर का कहना है कि हम पूर्णता कभी प्राप्त नहीं कर सकते। किन्तु इसका यह अर्थ नहीं होता कि हमने सीखना बंद कर देना चाहिये। सौंदर्य प्रकृति में मिश्रित रूप में है और प्रकृति ईश्वर में विद्यमान है। इसीलिये ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करना कलाकार का कर्तव्य है। यह ज्ञान उसे निरीक्षण एवं विज्ञान के अध्ययन से प्राप्त हो सकता है। इस प्रकार आत्म समर्पण के भाव से कलाकार धीरे-धीरे सौंदर्य की रचना करने में सक्षम हो जाएगा।

मिझिलेंगलो के अनुसार प्रत्येक वस्तु में सौंदर्य विद्यमान रहता है। उसकी बाहरी सतह हमें निकालनी आनी चाहिये। किसी पत्थर की बाहरी सतह निकालने पर सुंदर मूर्ति का जन्म होता है। इसका अर्थ यह होता है कि उस पत्थर में सौंदर्य अंतरनिहित था। मूर्तिकार ने अनावश्यक हिस्सा छाँट लिया है। किन्तु कौन-सा हिस्सा छाँटना चाहिये इसका ज्ञान मूर्तिकार को रहता है। इसीलिये कलाकार निर्माता नहीं होता वरन् वह ईश्वर का अनुयायी होता है। सौंदर्य प्रकृति में होने के कारण उसके अनुकरण से मनुष्य सौंदर्य की प्राप्ति करता है।

सर फिलिप सिडनी (1544 से 1586 तक) इन्होंने अव्दिती कवियों का चित्रण किया है। उनके अनुसार कवि हमेशा प्रकृति के साथ रहता है। अपने में वह एक अलग किस्म की प्रकृति ही होती है। उसी का चित्रण उदात्त में होता हैं कवि का स्थान सभी कलाकार से उच्च होता है। प्रकृति के कार्य का वर्णन वह भिन्न प्रकार से करता है। इसका कारण यह है कि ईश्वर ने कवि को स्वयं के समान बनाया है। इसीलिये प्रकृति को नया रूप देने में वह समर्थ होता है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

अगस्त 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

स्वतंत्रता दिवस

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली और गुवाहाटी, हैदराबाद, उदयपुर तथा दमोह स्थित इसके चारों क्षेत्रीय केन्द्रों में 15 अगस्त 2025 को 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यालय, नई दिल्ली में अध्यक्ष सीसीआरटी द्वारा ध्वजारोहण और संबोधन किया गया और इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों और सभी प्रशिक्षु शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर 21 परमवीरचक्र विजेताओं के नाम से वृक्षारोपण, देशभक्ति गीत एवं हस्ताक्षर अभियान जैसी गतिविधियों ने देशभक्ति का वातावरण सृजित किया। सशक्त सामाजिक और देशभक्ति से ओतप्रोत नाटक 'करेंगे रक्षा सिंदूर की' का मंचन किया गया। साथ ही 12 से 15 अगस्त तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली एवं सभी क्षेत्रीय केन्द्रों पर तिरंगा रैला का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

12 अगस्त से 02 सितम्बर, 2025 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में एनईपी-2020 के अनुरूप 504वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम को आयोजन किया गया। इस 21 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में 12 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों - आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल से 59 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को कला-आधारित शिक्षण, सांस्कृतिक घटकों के एकीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल्यों से परिचित कराना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव को समर्पित 'भारतीय संस्कृति में क्षेत्रीय योगदान' सत्रों में प्रतिभागियों ने अपने प्रदेश की विविध सांस्कृतिक धरोहर, त्यौहार, लोककला और परंपराओं का प्रदर्शन किया। व्यावहारिक सत्रों में बांधनी, मिट्टी के बर्तन, मैक्रेम, पेपर क्राफ्ट और रंगोली जैसे पारंपरिक शिल्पों का अभ्यास कराया गया। विशेष आकर्षण हर घर तिरंगा थीम पर आधारित शिल्प निर्माण रहा, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज के रंगों और प्रतीकों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया।

शैक्षिक यात्राओं में प्रतिभागियों ने कुतुब परिसर, हुमायूँ का मकबरा, राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी का भ्रमण किया, जिससे उन्हें विरासत संरक्षण, कला इतिहास और स्थानीय संसाधनों के शैक्षिक उपयोग के विषय में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण ने शिक्षकों को न केवल कला-आधारित और संस्कृति-समावेशी शिक्षण विधियों से परिचित कराया, बल्कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को भी प्रबल किया।

राष्ट्रीय अनुकूलन योजना (NAP) के अंतर्गत पारंपरिक ज्ञान एवं विरासत (TKH) पर हितधारकों की परामर्श बैठक

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, जलवायु अनुकूलन के क्षेत्र में पारंपरिक ज्ञान एवं विरासत को एक मजबूत स्तंभ बनाने के प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में, 29 अगस्त 2025 को एंबैसडर होटल, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अनुकूलन योजना (NAP) के अंतर्गत Thematic Working Group on Traditional Knowledge and Heritage (TKH) की हितधारकों की परामर्श बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सीसीआरटी एक एंकरिंग इंस्टिट्यूट है।

बैठक का शुभारंभ श्री आर. आर. रश्मि, प्रतिष्ठित अध्येता, TERI द्वारा किया गया। इसके बाद डॉ. आशीष चतुर्वेदी, Head, Action for Climate and Environment, UNDP; सुश्री रुचिका ड्राल, उप सचिव, MoEF&CC; और प्रो. अनिल गुप्ता, संस्थापक, द हनी बी नेटवर्क एवं विजिटिंग फैकल्टी, IIM अहमदाबाद ने संबोधित किया।

इसके पश्चात सुश्री लिली पाण्डेय, संयुक्त सचिव (संस्कृति), संस्कृति मंत्रालय ने मुख्य वक्तव्य देते हुए भारत की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जलवायु लचीलापन के लिए अनिवार्य बताया । उन्होंने पारंपरिक ज्ञान धारकों को सशक्त बनाने वाली समावेशी नीतियों की आवश्यकता पर बल दिया ।

डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक, सीसीआरटी ने "Nurturing Capacities and Skills for Resilient TKH" विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें क्षमता निर्माण, समुदाय-आधारित भागीदारी और Locally Led Adaptation Strategies के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सीसीआरटी की विरासत संरक्षण और सतत, सामुदायिक-आधारित जलवायु समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से TKH क्षेत्र में चुनौतियाँ एवं प्राथमिकताएँ, लैंगिक समानता का एकीकरण, क्षेत्रीय स्तर पर संस्थागत तंत्र, वित्तपोषण के अवसर, और जमीनी अनुभव साझा करना जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें जादव पायेंग (असम) और पीपल बाबा (दिल्ली) जैसे ने भी फील्ड प्रैक्टिशनर्स अपने अनुभव साझा किए।

इस परामर्श बैठक का उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान के जलवायु अनुकूलन में योगदान को संस्थागत रूप देना, नीतिगत खामियों को दूर करना और सांस्कृतिक विरासत को जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से बचाने हेतु ठोस रणनीति विकसित करना था।

विद्यालय शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश

29 जुलाई से 07 अगस्त 2025 तक सीसीआरटी नई दिल्ली द्वारा 'विद्यालय शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' विषय पर कार्यशाला का आयोजन दिनांक 29 जुलाई, 2025 से 07 अगस्त, 2025 तक किया गया।

इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 52 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान सत्रों एवं प्रायोगिक सत्रों के माध्यम से हस्तकला के विविध रूपों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला के सिद्धि समारोह का आयोजन सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। अध्यक्ष महोदय ने अपने प्रेरणादायी संबोधन से सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया एवं कार्यशाला में सीखे गये हस्तकौशल के माध्यम से अपनी स्कूल में ओर बेहतर काम करने के लिए प्रेरित किया।

महानाट्य "कहानी नारी शक्ति की - द्रौपदी से द्रौपदी तक"

12 अगस्त 2025 को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) द्वारा दिल्ली के प्रतिष्ठित इंद्रप्रस्थ कॉलेज में सीसीआरटी अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर जी के निर्देशन में मंचित एवं सुश्री जुलेशा सिद्दार्थ द्वारा लिखित महानाट्य "कहानी नारी शक्ति की - द्रौपदी से द्रौपदी तक" का मंचन किया गया। नाटक में महाभारत की द्रौपदी से लेकर भारत की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तक की

प्रेरक यात्रा को जीवंत कर दिया। जहां महाभारत की द्रौपदी ने अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई। वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता संग्राम, समाज सुधार और आधुनिक भारत की सफल महिलाओं के संघर्ष की झलकियां साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सर्वोच्च संवैधानिक पद की कहानी मुख्य आकर्षक रही। नाटक के संवाद, अभिनय, संगीत और मंच सज्जा का सशक्त संयोजन जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नाटक के अंत में "नारी ही शक्ति है" का सामूहिक संदेश, जिसे ने खड़े होकर तालियों से सराहा।

करेंगे रक्षा सिंदूर की

15 अगस्त 2025 को 'करेंगे रक्षा सिंदूर की' एक सशक्त सामाजिक और देशभक्ति से ओतप्रोत नाटक है, नाटक में दर्शाया गया है, सिंदूर का सम्मान, जो प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। सीमा पर डटे जवानों का साहस और बलिदान। यह नाटक दर्शकों के दिल में यह संकल्प जगाता है कि जैसे हमारे जवान देश की सीमा की रक्षा करते हैं, वैसे ही हम सबको समाज में महिलाओं के सम्मान की रक्षा करनी चाहिए।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

- **सीसीआरटी परिसर में हर घर तिरंगा अभियान – 2025 के अंतर्गत तिरंगा संगीत कार्यक्रम**

राष्ट्रव्यापी 'हर घर तिरंगा अभियान – 2025' के अंतर्गत, सीसीआरटी के छात्रवृत्ति एवं अध्येता अनुभाग ने 12 अगस्त 2025 को सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली में एक जीवंत तिरंगा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में प्रतिभाशाली छात्रवृत्तिधारकों, अध्येताओं और प्रख्यात कलाकारों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्होंने भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाया और दर्शकों में देशभक्ति की भावना जागृत की।

संगीत कार्यक्रम के सांस्कृतिक आकर्षण

वासुदेव बलवंत फड़के के जीवन पर आधारित देशभक्ति नाटक श्री सूरज और उनके सहयोगियों द्वारा प्रस्तुत।

बुंदेली लोकगीत

सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारक श्री अमन सोनी द्वारा संयोजित और प्रसिद्ध बुंदेली लोक गायिका श्रीमती कविता शर्मा द्वारा प्रस्तुत।

राजस्थानी लोक नृत्य

डॉ. गरिमा भार्गव (सीसीआरटी छात्रवृत्ति एवं अध्येता धारक) एवं उनके सहयोगियों द्वारा।

पंजाबी लोक नृत्य (भांगड़ा)

श्री राजेंद्र टोंक एवं उनके सहयोगियों द्वारा।

देशभक्ति गीत

वैशाली पाल एवं उनके सहयोगियों द्वारा।

● हर घर तिरंगा अभियान – 2025 के अंतर्गत भारत मंडपम, नई दिल्ली में तिरंगा संगीत कार्यक्रम

(अ) 12 अगस्त 2025 – तिरंगा संगीत कार्यक्रम

12 अगस्त 2025 को, श्री प्रवीण कुमार भाटी (नोएडा थिएटर) एवं उनकी टीम ने भारतीय इतिहास की सुंदरता की यात्रा को दर्शाते हुए, देश की समृद्ध कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करते हुए एक मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इसके बाद कलारीपयट्टू की एक दुर्लभ एवं मनमोहक प्रस्तुति हुई, जिसने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का सार प्रस्तुत किया। इसके बाद, एक प्रगतिशील एवं समृद्ध भारत का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का समापन 'जयतु जय जय भारती' के साथ हुआ, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को समर्पित एक सशक्त श्रद्धांजलि थी, जिसमें भारत को एक अखंड, समृद्ध और निरंतर प्रगतिशील राष्ट्र के रूप में दर्शाया गया।

(बी) 13 अगस्त 2025 – तिरंगा संगीत कार्यक्रम

13 अगस्त 2025 को, सुश्री रश्मि खन्ना ने 'आजादी का जश्न: हर्षोल्लास और देशभक्ति के साथ भारत की स्वतंत्रता का जश्न' शीर्षक से तिरंगा संगीत कार्यक्रम की उद्घाटन प्रस्तुति दी।

- प्रदर्शन की शुरुआत 'वंदे मातरम' की भावपूर्ण धुन से हुई, जिसमें मातृभूमि के प्रति गहरी श्रद्धा का आह्वान किया गया।
- इसके बाद 'देव श्री गणेश' गाया गया, जिसमें राष्ट्र की समृद्धि के लिए विघ्नहर्ता से आशीर्वाद मांगा गया।
- 'ऐगिरि नंदिनी' के ऊर्जावान गायन ने देवी की शक्ति और साहस का उत्सव मनाया।
- इसके बाद, भावपूर्ण 'ऐ वतन, वतन मेरे' नृत्य ने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अनगिनत शहीदों को श्रद्धांजलि दी।
- इस प्रस्तुति का समापन जोशीले 'रंग दे बसंती' के साथ हुआ, जो प्रतीकात्मक रूप से युवा ऊर्जा के साथ स्वतंत्रता और एकता के सार को व्यक्त करता है।

इन प्रस्तुतियों के माध्यम से, भक्ति, शक्ति और देशभक्ति का एक सुंदर संगम भारत की स्वतंत्रता के प्रति एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत किया गया।

दूसरी प्रस्तुति – सुश्री मृदुला नायक एवं समूह

दूसरी प्रस्तुति सुश्री मृदुला नायक एवं उनके समूह द्वारा दी गई, जिन्होंने एक शास्त्रीय नृत्य रचना प्रस्तुत की।

इस नृत्य ने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को जीवंत रूप से चित्रित किया, जिसमें शास्त्रीय नृत्य की आत्मा को पारंपरिक और समकालीन संगीत, दोनों के साथ सहजता से मिश्रित किया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को एक अनूठा और ताजा अनुभव प्रदान किया।

यह प्रस्तुति सीसीआरटी के प्रतिभाशाली छात्रवृत्ति धारकों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें उनकी कलात्मक उत्कृष्टता और रचनात्मक भावना को उजागर किया गया।

● तिरंगा संगीत कार्यक्रम – देशभक्ति की भावना का उत्सव

राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान – 2025 के अंतर्गत, सीसीआरटी के छात्रवृत्ति एवं अध्येता अनुभाग ने 13 अगस्त 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में एक भव्य तिरंगा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया।

सीसीआरटी के छात्रवृत्तिधारकों के प्रेरक प्रदर्शनों के बाद, कार्यक्रम में निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई:

- **श्रीमती रेखा गुप्ता,** माननीय मुख्यमंत्री, दिल्ली – ने विशेष अतिथि भाषण दिया
- **श्री विनय सक्सेना,** माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली ने मुख्य अतिथि भाषण दिया।
- **श्री गजेंद्र सिंह शेखावत,** माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने विशेष अध्यक्षता भाषण दिया।

उनके भाषणों ने देशभक्ति, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

शाम का विशेष आकर्षण

तिरंगा संगीत समारोह का एक प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री शान का मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन था, जिन्होंने देशभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनके प्रदर्शन ने दर्शकों के मन को भावुक कर दिया।

● सीसीआरटी के छात्रवृत्तिधारक और अध्येता हर घर तिरंगा अभियान के स्वयंसेवक बने

राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान – 2025 के तहत, सीसीआरटी के छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति अनुभाग ने अपने विद्वानों और अध्येताओं को देशभक्ति की भावना फैलाने में सक्रिय रूप से शामिल किया।

हर घर तिरंगा पोर्टल पर कुल 2,274 छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति धारकों को स्वयंसेवक के रूप में नामांकित किया गया है।

इसके अलावा, 522 छात्रवृत्तिधारक और अध्येताओं ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करके उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी साझा की

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सरकारी सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22 द्वारका, नई दिल्ली	31 जुलाई से 1-2 अगस्त 2025
2.	सरकारी सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-06, साइट-1, द्वारका, नई दिल्ली	21-23 अगस्त 2025
3.	सर्वोदय विद्यालय नंबर-01, सागरपुर, नई दिल्ली	20-22 अगस्त 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय कन्या हाई स्कूल, वेस्ट मर्रेपल्ली, सिकंदराबाद, तेलंगाना	5-7 अगस्त 2025
2.	राजकीय हाई स्कूल, जमा-ए-ओसमानिया, ओ.यू. कैंपस, हैदराबाद, तेलंगाना	18-20 अगस्त 2025
3.	जिला परिषद हाई स्कूल, मल्काजगिरी, मण्डल मल्काजगिरी, जिला मेडचल, तेलंगाना	21-23 अगस्त 2025
4.	राजकीय हाई स्कूल, नल्लाकुंटा, हैदराबाद, तेलंगाना	25-27 अगस्त 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	मॉडल पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल, ढिकली, उदयपुर	5-7 अगस्त 2025
2.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक कन्या विद्यालय, हिरण मागरी, उदयपुर	11-13 अगस्त 2025
3.	महात्मा गांधी सरकारी स्कूल, डाबक, उदयपुर	21-23 अगस्त 2025
4.	मॉडल पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल, ढिकली, उदयपुर	22 अगस्त 2025
5.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, मदादी झाडोल, उदयपुर	27-29 अगस्त 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	गुवाहाटी हाई स्कूल, ज्योति नगर रोड, ज्योति नगर, बमुनिमाईदान, गुवाहाटी, असम-781021	6-8 अगस्त 2025
2.	बोन्डा आंचलिक हाई स्कूल, बोन्डा, गुवाहाटी - 781026, असम	12-14 अगस्त 2025
3.	बेल्टोला हाई स्कूल, बेल्टोला बाजार रोड, गुवाहाटी, असम-781028	18-20 अगस्त 2025
4.	पानबाजार हाई स्कूल, पानबाजार, गुवाहाटी - 781001, असम	21-23 अगस्त 2025
	न्यू गुवाहाटी आदर्श हाई स्कूल, न्यू गुवाहाटी रेलवे कॉलोनी, गुवाहाटी - 781021, असम	27-29 अगस्त 2025

अगस्त 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 4586 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :

डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी

श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी

डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)

डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)

श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)

श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)

श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)

श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :

डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक एवं प्रभारी
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना

श्री दिबाकर दास, उप निदेशक एवं प्रभारी
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम

श्री आशुतोष, उप निदेशक एवं प्रभारी
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान

श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक एवं प्रभारी
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर